Dr•Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
P.G.Deptt.of Psychology
Maharaja College Ara
Date; 29/10/2025
Class: P.G Semester - 3rd
(C.C-12)
Educational Psychology,

Topic -वैयक्तिक भिन्नता का स्वरूप ***(Nature of Individual differences)***

मनुष्य के विकास में सभी क्रियाएँ प्रायः समान होती है, पर सभी तरह के विकास एक जैसे नहीं होते । उदाहरण के लिए बुद्धि विकास तो सभी बालकों में होता है, पर सबकी बुद्धि एक जैसी नहीं होती । एक परिवार के सदस्यों के बीच भी लोगों का रंग रूप (appearance) ईच्छा (interest) योग्यता (ability) और स्वभाव (temperament) भिन्न भिन्न होता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि व्यक्तियों के बीच की भिन्नता जब उन्हें एक-दूसरे से अलग करती है और उन्हें विशिष्ट (unique) बनाती है, उसे वैयक्तिक भिन्नता कह सकते हैं। "**The differences among individuals that distinguish or seperate them from one another and make one a unique individual in oneself may be termed as individual differences**." (Raber 1984, P-351) Carter B. Good के अनुसार "व्यक्तियों के बीच की भित्रता या विभित्रता, व्यक्ति की किसी एक विशेषता या कई विशेषताओं पर निर्भर करती है।" उदाहरण के लिए A. B से अधिक लम्बा है। A, B से अधिक लम्बा हीं नहीं, बल्कि एक अच्छा खिलाड़ी और अच्छा धावक भी है। अधिक लम्बा होना A की एक विशेषता है। एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी और अच्छा धावक (दौड़नेवाला) उसकी अन्य विशेषताएँ हैं। अतः वैयक्तिक भिन्नता ऐसी मनोवैज्ञानिक घटना का नाम है, जो उन शीलगुणों एवं विशेषताओं पर बल डालता है जिसके कारण वैयक्तिक जीव भिन्न होते दिखते हैं।

वैयक्तिक भिन्नता दो प्रकार की होती है व्यक्ति के अन्दर की विभिन्नता (differences within the person) जिसे अंत: वैयक्तिक भिन्नता भी कहते हैं। एक हीं शीलगुण का प्रदर्शन व्यक्ति के कार्यों में अलग-अलग होता है। उदाहरण स्वरूप ईमानदारी या कार्यकुशलता पर अच्छा भाषण देनेवाला नेता, उन्हीं तथ्यों को अपने जीवन में उपयोग करे, ऐसा जरूरी नहीं है। दूसरे तरह की विभिन्नता को अन्तर वैयक्तिक विभिन्नता (Intra Individual differences) कहते हैं। इस तरह की भिन्नता के कारण एक व्यक्ति दूसरे से लम्बा, गोरा, मोटा, पतला, बुद्धिमान या मंदबुद्धि का होता है।

स्किनर (Skinner) (1962) के अनुसार कोई भी शीलगुण (trait) दो व्यक्तियों या समूह में समान नहीं पाया जाता। अगर शीलगुण के आधार पर समूह का अध्ययन करें तो बहुत कम लोग होंगे जिनमें वह शीलगुण कम होगा और कुछ हीं लोगों में वह शीलगुण बहुत अधिक होगा। उदाहरण के लिए एक समूह के लोगों में इमानदारी कितनी है, इस शीलगुण का परीक्षण करें तो बहुत कम लोग भयंकर बेईमान होंगे और बहुत कम लोग अति ईमानदार। ज्यादातर लोग मध्यम गुण के होंगे जिनकी बेईमानी और ईमानदारी उनकी जरूरतों के साथ उनके शीलगुणों का निर्णय करती है।

भिन्नता, परिपक्वता (maturation) के कारण भी आती है। एक ही उम्र के दो बच्चों का शारीरिक विकास अलग-अलग होता है। वातावरण के प्रभाव के कारण भी वैयक्तिक भिन्नता स्पष्ट दिखायी देती है। जहाँ ठंढ़ अधिक पड़ती है वहाँ के लोग गोरे और फुर्तीले होते हैं। जहाँ बहुत गर्मी पड़ती है वहाँ के लोग काले एवं आलसी होते हैं। इसके अलावा, एक क्षमता रखने वाले दो बच्चे या जुड़वा बच्चे का व्यवहार अलग-अलग हो सकता है। जुड़वा बच्चों का शीलगुण एक हो सकता है, पर, अगर एक को माता-पिता विशेष स्नेह मिलता है और दूसरे को उपेक्षा एवं

तिरस्कार तो इसका असर निश्चित रूप से उनके व्यवहार एवं क्षमता पर पड़ेगा। फलस्वरूप दूसरे बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से भिन्न होगा ।

वैयक्तिक भिन्नता आनुवंशिकता और वातावरण के प्रभाव के कारण भी पायी जाती है। बच्चा अपने वंश के खास शीलगुणों के साथ पैदा होता है। शान्त स्वभाव का होना, चतुर होना, व्यवसायिक क्षमता रखना इत्यादि वंशानुगत गुण हैं जो एक परिवार के लोगों में प्रायः पाया जाता है। जैसे डाक्टर का बेटा डाक्टर ही बनना पसन्द करता है। नेता अभिनेता के बच्चे भी वही पेशा अपनाना चाहते हैं। पर कुछ शीलगुण अर्जित भी होते हैं। एक हीं परिवार के बच्चे अलग-अलग वातावरण में पलकर अलग-अलग शीलगुण अर्जित करते हैं। सिर्फ अनुवंशिकता के कारण विभिन्नता नहीं पायी जाती, न हीं सिर्फ वातावरण के कारण। दोनों के मिले-जुले प्रभाव के कारण हीं विभिन्नता परिलक्षित होती है।

वैयक्तिक भिन्नता का दायरा बहुत हीं विस्तृत है। मनुष्य में पायी जाने वाली वैयक्तिक भिन्नता को मुख्यतया दो भागों में बाँटा गया है। शारीरिक या शरीर क्रिया में विभिन्नता (physical or physiologicaldiffences) और मनोवैज्ञानिक विभिन्नता (psychological differences) शारीरिक विभिन्नता हमारे शरीर की बनावट पर निर्भर करती है, पर मनोवैज्ञानिक भिन्नता हमारी बौद्धिक (intellectual potentialities) क्षमता योग्यता (ability), अभिरूचि (interest) मनोवृत्ति (attitude) अभिक्षमता (aptitude) सामाजिक (social) संवेगात्मक (emotional) एवं नैतिक (moral) विकास पर निर्भर करती है।